अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 16 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या
कोड नं० **69/SS/A**

स्तवकः/सेट **A**

संस्कृतव्याकरणम्
संस्कृत व्याकरण
(346)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च ....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् 1. ....
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)
2. ....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 69/SS/A, स्तवक A नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखने हैं।
5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 69/SS/A, सेट A अवश्य लिखें।
7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

संस्कृतव्याकरणम्
संस्कृत व्याकरण
(346)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [**A**] भागे 20, [**B**] भागे 15, [**C**] भागे 6, [**D**] भागे 6, [**E**] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [**A**] भाग में 20, [**B**] भाग में 15, [**C**] भाग में 6, [**D**] भाग में 6, [**E**] भाग में 4—कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः। तत्र वैकल्पिकभागेषु एकः एव समाधेयः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। वैकल्पिक भागों में से एक विकल्प का ही समाधान कीजिए।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति अङ्काः दीयन्ते।

प्रत्येक प्रश्न के दाएँ भाग में संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) और अंक दिए गए हैं।

(iv) [**A**] भागे प्र. सं. 1 तः 20 पर्यन्तं बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अंकः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतूर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकं उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

[**A**] भाग में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है। प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए।

(v) [**B**] भागे प्र. सं. 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः। प्रत्येकं प्रश्नः अंकद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

[**B**] भाग में प्रश्न संख्या 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। निर्देशानुसार उनके उत्तर दीजिए।

(vi) [**C**] भागे प्र. सं. 36 तः 41 पर्यन्तं अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अंकद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

[**C**] भाग में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक अति लघूत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। निर्देशानुसार उनका समाधान कीजिए।

(vii) [**D**] भागे प्र. सं. 42 तः 47 पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *50* तः *80* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

[**D**] भाग में प्रश्न संख्या 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघूत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार *50* से *80* शब्दों की सीमा में उनके उत्तर दीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(viii) [**E**] भागे प्र. सं. 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *80* तः *100* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

[**E**] भाग में प्रश्न संख्या 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार *80* से *100* शब्दों की सीमा में उनके उत्तर दीजिए।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नं० अवश्य लिखना है।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर-पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी अनुक्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा तथा प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

इस बात की जाँच अवश्य कर लें कि प्रश्न-पत्र पर दी गई पृष्ठ संख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पृष्ठ की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं तथा प्रश्न क्रम सही हैं या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time have been allotted to read this Question Paper. The Question Paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the Question Paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[A] प्रश्नसंख्या 1 तः 20 पर्यन्तं बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति। प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×20=20

प्रश्न संख्या 1–20 तक बहुविकल्पात्मक हैं, प्रदत्त विकल्पों में से उचित विकल्प को चुनें :

1. 'अन्तर्लोमः' इत्यत्र कः समासान्तः प्रत्ययः?

(क) क (ख) षच्

(ग) अप् (घ) अच्

'अन्तर्लोमः'—इसमें कौन-सा समासान्त प्रत्यय है?

(क) क (ख) षच्

(ग) अप् (घ) अच्

2. 'वासुदेवार्जुनौ' अत्र वासुदेवशब्दस्य पूर्वनिपातः केन सूत्रेण वार्तिकेन वा?

(क) अल्पाच्तरम् (ख) अजाद्यदन्तम्

(ग) लघ्वक्षरं पूर्वम् (घ) अभ्यर्हितं च

'वासुदेवार्जुनौ'—इस उदाहरण में 'वासुदेव' शब्द का पूर्वनिपात किस सूत्र/वार्तिक से होता है?

(क) अल्पाच्तरम् (ख) अजाद्यदन्तम्

(ग) लघ्वक्षरं पूर्वम् (घ) अभ्यर्हितं च

3. 'किंराजा' इत्यत्र समासान्तस्य टचः निषेधः केन सूत्रेण?

(क) कुगतिप्रादयः (ख) न पूजनात्

(ग) अव्ययीभावश्च (घ) किमः क्षेपे

'किंराजा'—इस उदाहरण में समास टच् का निषेध किस सूत्र से होता है?

(क) कुगतिप्रादयः (ख) न पूजनात्

(ग) अव्ययीभावश्च (घ) किमः क्षेपे

4. 'बैदी'—अत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?

(क) ङीप् (ख) इ

(ग) ङीन् (घ) ङीष्

'बैदी'—इसमें कौन-सा स्त्रीप्रत्यय हुआ है?

(क) ङीप् (ख) इ

(ग) ङीन् (घ) ङीष्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

5. 'द्विगोः' इत्यनेन सूत्रेण कः प्रत्ययो भवति?

(क) ङीप् (ख) ङीष्

(ग) डाप् (घ) टाप्

'द्विगोः'—यह सूत्र किस प्रत्यय का विधान करता है?

(क) ङीप् (ख) ङीष्

(ग) डाप् (घ) टाप्

6. 'गणकी' अत्र ङीष् प्रत्ययः केन कारणेन भवति?

(क) गौरादिगणपठितत्वात् (ख) बह्वादिगणपठितत्वात्

(ग) षित्वात् (घ) पुंयोगात्

'गणकी'—यहाँ ङीष् प्रत्यय किस कारण से होता है?

(क) गौरादिगण में पठित होने के कारण (ख) बह्वादिगण में पठित होने के कारण

(ग) षित् होने के कारण (घ) पुंयोग होने के कारण

7. सुदुर्भ्यां परस्य हृदयशब्दस्य हृद्भावे निपातिते किं पदं निष्पद्यते मित्रार्थे?

(क) सहहृद् (ख) सुहृद्

(ग) सहृदयः (घ) दुर्हृद्

सु और दुर् से पर में विद्यमान 'हृदय' शब्द को हृद् भाव निपातित करने पर कौन-सा पद निष्पन्न होता है मित्र अर्थ में?

(क) सहहृद् (ख) सुहृद्

(ग) सहृदयः (घ) दुर्हृद्

8. द्वन्द्वे घिसंज्ञं कुत्र प्रयोज्यम्?

(क) परम् (ख) पूर्वम्

(ग) उभयत्र (घ) न कुत्रापि

द्वन्द्व समास में घिसंज्ञक का प्रयोग कहाँ होता है?

(क) पर में (ख) पूर्व में

(ग) दोनों जगह (घ) कहीं नहीं

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

9. अपित् ______ ङिद्वद् भवति।

(क) सार्वधातुकम्　　(ख) तद्धितः

(ग) आर्धधातुकम्　　(घ) कृत्

अपित् ______ ङिद्वद् होता है।

(क) सार्वधातुक　　(ख) तद्धित

(ग) आर्धधातुक　　(घ) कृत्

10. असंयोगात् परः अपित् ______ कित् भवति।

(क) लिङ्　　(ख) लिट्

(ग) लोट्　　(घ) लट्

असंयोग से पर में अपित् ______ कित् होता है।

(क) लिङ्　　(ख) लिट्

(ग) लोट्　　(घ) लट्

11. 'जग्मतुः' इति कस्य लकारस्य रूपम्?

(क) लोट्　　(ख) लुङ्

(ग) लिट्　　(घ) लृङ्

'जग्मतुः'—यह किस लकार का रूप है?

(क) लोट्　　(ख) लुङ्

(ग) लिट्　　(घ) लृङ्

12. 'अकटीत्' इत्यत्र च्लिस्थाने किं भवति?

(क) अङ्　　(ख) सुट्

(ग) चङ्　　(घ) सिच्

'अकटीत्'—यहाँ च्लि के स्थान पर क्या होता है?

(क) अङ्　　(ख) सुट्

(ग) चङ्　　(घ) सिच्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

13. अतः परस्य ङितामाकारस्य इय् केन सूत्रेण भवति?

(क) आतो येयः (ख) आतो धातोः

(ग) आतो ङितः (घ) आतो लोप इटि च

अकार से उत्तर ङित् सम्बन्धी आकार का इय् किस सूत्र से होता है?

(क) आतो येयः (ख) आतो धातोः

(ग) आतो ङितः (घ) आतो लोप इटि च

14. 'अत्ताम्' इत्पत्र 'ताम्' सर्वादेशः कस्य स्थाने?

(क) 'तस्' स्थाने (ख) 'झि' स्थाने

(ग) 'थ' स्थाने (घ) 'थस्' स्थाने

'अत्ताम्' यहाँ 'ताम्' सर्वादेश किसके स्थान पर होता है?

(क) 'तस्' के स्थान पर (ख) 'झि' के स्थान पर

(ग) 'थ' के स्थान पर (घ) 'थस्' के स्थान पर

15. ''लोपश्चास्यान्यतरस्यां म्वोः'' इत्यनेन सूत्रेण किं भवति?

(क) सेर्हिः (ख) प्रत्ययोकारस्य लोपः

(ग) हेर्लुक् (घ) यणादेशः

''लोपश्चास्यान्यतरस्यां म्वोः''—यह सूत्र क्या कार्य करता है?

(क) सि को हि आदेश (ख) प्रत्यय के उकार का लोप

(ग) हि का लुक् (घ) यणादेश

16. 'उ-विकरणः' कस्मिन् गणे?

(क) भ्वादिगणे (ख) चुरादिगणे

(ग) तनादिगणे (घ) अदादिगणे

'उ-विकरण' किस गण में होता है?

(क) भ्वादिगण में (ख) चुरादिगण में

(ग) तनादिगण में (घ) अदादिगण में

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

17. 'निकृष्टस्य भृत्यादेः प्रवर्तनम्' किं भवति?

(क) आमन्त्रणम् (ख) निमन्त्रणम्

(ग) विधिः (घ) प्रार्थनम्

'निकृष्ट भृत्यादि का प्रवर्तन' क्या कहलाता है?

(क) आमन्त्रण (ख) निमन्त्रण

(ग) विधि (घ) प्रार्थना

18. 'अचो ञ्णिति' इति सूत्रस्य कार्यं किम्?

(क) किति प्रत्यये अजन्तस्याङ्गस्य वृद्धिः

(ख) ञिति णिति प्रत्यये अजन्तस्याङ्गस्य वृद्धिः

(ग) ङिति प्रत्यये उपधाया अतो वृद्धिः

(घ) गिति प्रत्यये उपधाया अतो वृद्धिः

'अचो ञ्णिति' सूत्र क्या कार्य करता है?

(क) कित् प्रत्यय के परे रहते अजन्त अङ्ग की वृद्धि

(ख) ञित् णित् प्रत्यय के परे रहते अजन्त अङ्ग की वृद्धि

(ग) ङित् प्रत्यय के परे रहते उपधा के अत् की वृद्धि

(घ) गित् प्रत्यय के परे रहते उपधा के अत् की वृद्धि

19. उडुलोमशब्दात् इञ्-प्रत्यये किं रूपम्?

(क) औडुलोमिः (ख) उडुलोमिः

(ग) उडुलोमी (घ) औडुलोमीः

'उडुलोम' शब्द से इञ् प्रत्यय करने पर क्या रूप बनता है?

(क) औडुलोमिः (ख) उडुलोमिः

(ग) उडुलोमी (घ) औडुलोमीः

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

20. 'विष्यः' इत्यत्र यत् प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे?

(क) योग्यार्थे (ख) वध्यार्थे

(ग) तुल्यार्थे (घ) प्राप्यार्थे

'विष्यः' यहाँ यत् प्रत्यय किस अर्थ में है?

(क) योग्य अर्थ में (ख) वध्य अर्थ में

(ग) तुल्य अर्थ में (घ) प्राप्य अर्थ में

[B] अधोलिखिताः प्रश्नाः यथानिर्देशं समाधेयाः। प्रत्येकं प्रश्नः द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं *30* अङ्काः आवंटिताः भवन्ति— 2×15=30

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है, जिसके लिए *30* अंक निर्धारित हैं :

21. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(क) उद्विभ्यां काकुदस्य 1. दीर्घसक्थः

(ख) संख्यासुपूर्वस्य 2. द्विपात्

3. उत्काकुत्

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

(क) उद्विभ्यां काकुदस्य 1. दीर्घसक्थः

(ख) संख्यासुपूर्वस्य 2. द्विपात्

3. उत्काकुत्

22. यथायोग्यं मेलयत—

(क) विशेषसञ्ज्ञाविनिर्मुक्तः 1. नित्यसमासः

(ख) स्वपदविग्रहः 2. अनित्यसमासः

3. केवलसमासः

यथायोग्य मिलान कीजिए :

(क) विशेष संज्ञा से विनिर्मुक्त 1. नित्यसमास

(ख) स्वपदविग्रह 2. अनित्यसमास

3. केवलसमास

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

23. प्रत्ययोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(क)	आम्बष्ठ्या	1.	टाप्
(ख)	एडका	2.	डाप्
		3.	चाप्

प्रत्यय और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

(क)	आम्बष्ठ्या	1.	टाप्
(ख)	एडका	2.	डाप्
		3.	चाप्

24. उचितकारणेन सह उदाहरणस्य मेलनं कुरुत—

(क)	प्रथमवयोवाचकात् अदन्तात् ङीप्	1.	कर्त्री
(ख)	उगिदन्तत्वात् ङीप्	2.	कुमारी
		3.	भवन्ती

उचित कारण के साथ उदाहरण का मिलान कीजिए :

(क)	प्रथमवयोवाचक अदन्त से ङीप्	1.	कर्त्री
(ख)	उगिदन्त होने के कारण ङीप्	2.	कुमारी
		3.	भवन्ती

25. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(क)	वोतो गुणवचनात्	1.	पीनस्तनी
(ख)	स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्	2.	लघ्वी
		3.	दाक्षी

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए :

(क)	वोतो गुणवचनात्	1.	पीनस्तनी
(ख)	स्वाङ्गाच्चोपसर्जनादसंयोगोपधात्	2.	लघ्वी
		3.	दाक्षी

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

26. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत—

(क) विध्यादिषु अर्थेषु ______ लकारः भवति।

(ख) 'किदाशिषि' सूत्रेण आशिषि लिङः यासुट् ______ भवति।

रिक्त स्थान की पूर्ति योग्य पद से कीजिए :

(क) विध्यादि अर्थों में ______ लकार होता है।

(ख) 'किदाशिषि' सूत्र से आशीर्लिङ् का यासुट् ______ होता है।

27. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत—

(क) 'आदेच उपदेशेऽशिति' इति सूत्रेण उपदेशे एजन्तस्य धातोः ______ भवति, न तु शिति।

(ख) गम्लृ-धातोः लिटि प्रथमपुरुषद्विवचने ______ रूपम्।

रिक्त स्थान की पूर्ति योग्य पद से कीजिए :

(क) 'आदेच उपदेशेऽशिति'—इस सूत्र से उपदेश में एजन्त धातु का ______ होता है, शित् प्रत्यय पर में न हो तो।

(ख) गम्लृ-धातु का लिट् लकार प्रथमपुरुष द्विवचन में ______ रूप बनता है।

28. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत—

(क) 'अगमत्' अत्र च्लेः स्थाने ______ भवति।

(ख) 'नेटि' इत्यनेन ______ निषिध्यते।

रिक्त स्थान की पूर्ति योग्य पद से कीजिए :

(क) 'अगमत्'—यहाँ च्लि के स्थान पर ______ होता है।

(ख) 'नेटि'—इस सूत्र से ______ का निषेध होता है।

29. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत—

(क) ______ गणपठितधातुभ्यः श्नम्-प्रत्ययो भवति, कर्तृवाचिनि सार्वधातुके परे।

(ख) रुध् धातोः परस्मैपदे लटि प्रथमपुरुषैकवचने रूपम् ______ इति।

रिक्त स्थान की पूर्ति योग्य पद से कीजिए :

(क) ______ गणपठित धातुओं से श्नम्-प्रत्यय होता है, कर्तृवाची सार्वधातुक पर में हो तो।

(ख) रुध् धातु का परस्मैपद में लट् लकार प्रथमपुरुष एकवचन में ______ रूप बनता है।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

30. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत—

(क) 'तनादिभ्यस्तथासोः' इत्यनेन ______ वा लुक् भवति।

(ख) तन्-धातोः आत्मनेपदे लुङि प्रथमपुरुषे रूपाणि— ______ / ______ अतनिषाताम्, अतनिषत।

रिक्तस्थान की पूर्ति योग्य पद से कीजिए :

(क) 'तनादिभ्यस्तथासोः' सूत्र से ______ का विकल्प से लुक् होता है।

(ख) तन्-धातु के आत्मनेपद लुङ् लकार प्रथमपुरुष में रूप होते हैं— ______ / ______ अतनिषाताम्, अतनिषत।

31. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत—

(क) शिवादिगणपठितेभ्यः अपत्यार्थे अण् स्यात्।

(ख) वाशिष्ठः इत्यत्र इञ् प्रत्ययः।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए :

(क) शिवादिगणपठित प्रातिपदिकों से अपत्य अर्थ में अण् प्रत्यय होता है।

(ख) वाशिष्ठः—इस उदाहरण में इञ् प्रत्यय है।

32. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत—

(क) क्षत्त्रात् प्रातिपदिकात् अपत्ये अर्थे छ-प्रत्ययः भवति।

(ख) राज्ञः अपत्यं राजन्यः।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए :

(क) क्षत्त्र-प्रातिपदिक से अपत्य अर्थ में छ-प्रत्यय होता है।

(ख) राज्ञः अपत्यं राजन्यः।

33. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत—

(क) संसर्गेऽस्तिविवक्षायां मतुबादयः प्रत्ययाः भवन्ति।

(ख) तान्तसान्तौ घिसंज्ञौ स्तः, मत्वर्थे प्रत्यये परे।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए :

(क) संसर्ग और अस्ति की विवक्षा में मतुबादि प्रत्यय होते हैं।

(ख) तान्त और सान्त की घिसंज्ञा होती है, मत्वर्थ प्रत्यय के परे रहते।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

34. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत—

(क) सना भवः सनातनः।

(ख) आत्मन्-शब्दात् खञ्-प्रत्यये 'आत्मनीनम्' इति पदं निष्पद्यते।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए :

(क) सना भवः सनातनः।

(ख) आत्मन्-शब्द से खञ् प्रत्यय करने पर 'आत्मनीनम्' पद निष्पन्न होता है।

35. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत—

(क) ब्राह्मणादिगणपठित-षष्ठीसमर्थप्रातिपदिकात् भावार्थे कर्मार्थे च ष्यञ् प्रत्ययो भवति।

(ख) 'किम् परिमाणम् अस्य' इति लौकिकविग्रहे तयप्-प्रत्यये कियान् इति रूपं सिध्यति।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए :

(क) ब्राह्मणादिगणपठित-षष्ठीसमर्थप्रातिपदिक से भाव और कर्म अर्थ में ष्यञ् प्रत्यय होता है।

(ख) 'किम् परिमाणम् अस्य'—इस लौकिकविग्रह में तयप्-प्रत्यय होकर कियान् रूप सिद्ध होता है।

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशं अतिलघूनि उत्तराणि लिखत— 2×6=12

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के अतिलघु उत्तर दीजिए :

36. 'व्याघ्रपात्' इत्यस्य पदस्य लौकिकविग्रहम् अलौकिकविग्रहं च प्रदर्शयत।

'व्याघ्रपात्'—इस पद का लौकिकविग्रह और अलौकिकविग्रह प्रदर्शित कीजिए।

37. 'पिता मात्रा' इति सूत्रस्यार्थः कः? उदाहरणमपि लिखत।

'पिता मात्रा'—इस सूत्र का अर्थ क्या है? उदाहरण भी लिखिए।

38. 'चिक्षाय' अत्र वृद्धि-विधायकं सूत्रं किम्? कश्च तस्य अर्थः?

'चिक्षाय'—यहाँ वृद्धि-विधायक सूत्र कौन-सा है? उसका अर्थ भी लिखिए।

39. 'गोपायति' अत्र कः धातुः? कश्च तस्य अर्थः?

'गोपायति'—यहाँ कौन-सी धातु है तथा उसका क्या अर्थ है?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

40. 'दन्तुरः' अत्र कः प्रत्ययः? प्रत्ययविधायकं सूत्रं लिखत।

'दन्तुरः'—यहाँ कौन-सा प्रत्यय है? प्रत्ययविधायक सूत्र लिखिए।

41. 'शिक्षकः' अत्र ससूत्रं प्रत्ययं लिखत। लौकिकविग्रहं च प्रदर्शयत।

'शिक्षकः'—यहाँ सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रत्यय बताइए। लौकिकविग्रह भी प्रदर्शित कीजिए।

[D] षट् प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18

छह प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

42. 'संख्याया अल्पीयस्याः' इति वार्तिकं सोदाहरणं व्याख्यात।

'संख्याया अल्पीयस्याः'—इस वार्तिक की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

'जातिरप्राणिनाम्' इति सूत्रं व्याख्यात।

'जातिरप्राणिनाम्'—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

43. 'अक्ष्णोऽदर्शनात्' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

'अक्ष्णोऽदर्शनात्'—इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

अलौकिकविग्रहस्य लक्षणं सोदाहरणं लिखत।

अलौकिकविग्रह का लक्षण सोदाहरण लिखिए।

44. 'कारिका' अत्र कः स्त्रीप्रत्ययः? उदाहरणे इत्त्वविधायकं सूत्रं किम्?

'कारिका'—यहाँ कौन-सा स्त्रीप्रत्यय हुआ है? उदाहरण में इकार किस सूत्र से हुआ है?

45. 'लिङ्-निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

'लिङ्-निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ'—इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

'भू' धातोः आशिषि अर्थे लिङि प्रथमपुरुषबहुवचने किं रूपम्? ससूत्रं साधयत।

'भू' धातु का आशीर्लिङ् में प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप लिखकर ससूत्र सिद्धि कीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

46. ‘लुङ्-सनोर्घस्लृ’ इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

‘लुङ्-सनोर्घस्लृ’—इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

47. ‘लोमादिपामादिपिच्छादिभ्यः शनेलचः’ इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

‘लोमादिपामादिपिच्छादिभ्यः शनेलचः’—इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

[E] चत्वारः प्रश्नाः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 5×4=20

निम्नलिखित चार प्रश्नों का दीर्घोत्तरों से समाधान कीजिए :

48. द्वन्द्वसमासस्य परिचयो देयः।

द्वन्द्व समास का परिचय दीजिए।

अथवा

समासान्त-कप्प्रत्ययविधायकं सूत्रद्वयं लिखित्वा व्याख्यात।

समासान्त कप् प्रत्ययविधायक दो सूत्र लिखकर व्याख्या कीजिए।

49. ‘असंयोगाल्लिट्कित्’ इति ‘अचो ञ्णिति’ इति **वा** सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

‘असंयोगाल्लिट्कित्’ **अथवा** ‘अचो ञ्णिति’ सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

50. ‘अक्षैषीत्’ इति ‘अकटीत्’ इति **वा** ससूत्रं साधयत।

‘अक्षैषीत्’ **अथवा** ‘अकटीत्’ की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

51. ‘आलजाटचौ बहुभाषिणि’ इति सूत्रम् उदाहरणोल्लेखपुरस्सरं व्याख्यात।

‘आलजाटचौ बहुभाषिणि’—इस सूत्र की उदाहरणोल्लेखपुरस्सर व्याख्या कीजिए।

★★★

Unnati Educations
9899436384, 9654279279